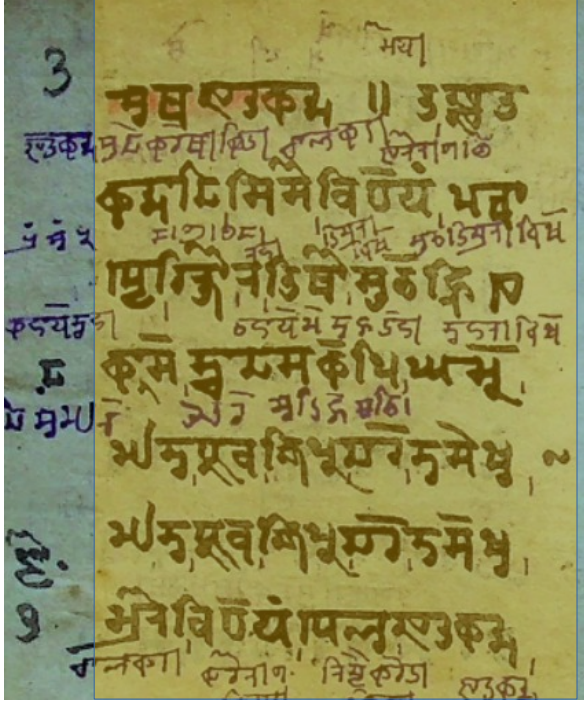


Manu 6

Title : Jyotisha Manuscript (includes Simantonayan -Punsavan-Jatakarma-others)
(Missing pages)

**जातकर्म**

जन्मतोऽनन्तरं कार्यं जातकर्म यथाविधि ।
दैवादतीतकालं चेदतीते सूतके भवेत् ॥ १५ ॥

जन्म के उपरान्त ही जातकर्म यथाविधि करना चाहिए । यदि
दैवदशात् उस समय न हो सके, तो जब जननाशौच व्यतीत हो,
तब करना चाहिए ॥ १५ ॥

मृदुध्रुवचरक्षिप्रभेष्वेषामुदयेऽपि च ।

गुरो शुक्रेऽथवा केन्द्रे जातकर्म च नाम च ॥ १६ ॥

मृदु, ध्रुव, चर और क्षिप्र नक्षत्रों में जब बृहस्पति या शुक्र केन्द्र
में हों, तब जातकर्म और नामकर्म करना चाहिए ॥ १६ ॥

नामकरणम्

तज्जातकर्मादि शिशोर्विधेयं
पर्वाख्यरिक्तोनतिथौ शुभेऽहि ।

एकादशे द्वादशकेऽपि घन्ते

मृदुध्र वक्षिप्रचरोऽपि स्यात् ॥ १७ ॥

Ref <https://archive.org/details/wg519/page/n125/mode/2up?view=theater>

CC-0. Satisar Foundation (<https://satisar.org/>)

Digitized by Sarayu Foundation Trust, Delhi and eGangotri

॥ सिद्धिभिः श्री गल्ल माय ॥

सिद्धिभिः श्री गल्ल माय ॥
 सुदि भट्टगवत
 चतुर्कर्मभा ज्ञु । अन्मात्रोप

भिरिष्टिपकर्मगी उवत

हिनाठवनगमाहु वदोमाड जलमने सुमता किल्लेनुमा

उगविभुगडि भुगडिग
 मयमेमुभडा

कर्मरः ॥ प्रथमी

भेतेनयनभा भीभेतेन
 गहापि ० भाममा मद्रव

यनंगठ द्रष्टुभामेव

० ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

3

मधु एतकम् ॥ उत्सृज

रत्नकमण्डपकगर्भादिफलका

कर्मणि मिमैविण्यं भव

पंच ५ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

पुनः विवेचनम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

८ कर्म सुखमकैधिधम्

ਸਿਸੁਮੁਖੇ ॥ ਅੰਤ ਸੁਪਿਨੇ ਸੁਠਿ ॥

॥ मृगवन्निधुमरे मृमेधु ॥ ~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

9

भनेविष्टं यं पल्लवउकम्

ली सु

८३।

पुमः पुवापि मउ पुयसु

नएले

वननाह

नमकम कोना

भउ भसंभउि मनाममिच

५३

७३५३

६३३

॥ पुनवभु सुयेरमु

एयेमेइ सुयेभान भुलेउ

॥ पुनिधु सु ममेकाम

सुदना विध

ठियम उका

सुययेन

मेहिने ॥ पउहापि सु

वगना विध

कु

म

ठयेने वगेण ममाइयेः

5

५ श्री भिल्लभाविष

ॐ नमः शिवायः भिल्लभा

चलकृष्ण चमकृष्ण मुठमा देवदेवा

बुनभनभनति मुठः

भिल्लभा विष्णो

मृषदेलहुरदनभा

ॐ ०१ ०१ ०१ ०५ ०० भिल्लभा

मृषदेलहुरदनभा

मुदनाविष देव देवदेव मुठ देवदेव

वामदेव मुठमुठभन

जमु मृष ५३ ५३ ५३ ५३ ५३

लपुपुवः मिमुनभा

चलकृष्ण

मृषदेलहुरदनभा

चमकृष्ण

निठकृष्ण

मृषदेलहुरदनभा

ॐ ५

ॐ सुकुभमगमेकुमभ

येकभिडिद्रिवभडा ॥

मुषउरभमरभा रेवजी

सुडिभरवभनमु वक्रुडः

धषगपिद्रिउयेभि हूड

गपिकषिउं धषुकनं भू

मनंदिभववजविणनभा

7

पथभमभमनं गगका

नं कटनं उदाहुमभमि

रजः भेजेण्डेवमभ

भमूदं गमगिजवत्

पिहडिधिम ॥ मषक

लवणः ॥ दिहडं मू

धेध वमभमिमयनं

उधरुमुलसुम

हो.
म

अममं मगिजं यममं

अममं

अममं मगिजं यममं

अममं

अममं

अममं

अममं

अममं मगिजं यममं

अममं

अममं

अममं

अममं

अममं मगिजं यममं

अममं

अममं

अममं

अममं

अममं

अममं मगिजं यममं

अममं

अममं

अममं

अममं

अममं मगिजं यममं

अममं

अममं

अममं

अममं

अममं मगिजं यममं

अममं

अममं

अममं

अममं

सुधासुक्तसुधसुं ५

८३। क३ क३ सु३ उ३ अ३

उवज उडि करिमयनभा

कमु सिनी शु डि पुनवभ

म. डि. पु. कु. मि. इ. क. रि. व.

पु. डि. २१ ज
श्री धर्म सुवचनस्य प्रारम्भः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ed by Sarayu Foundation Trust, Delhi and eGar

मेहलये धुगीय

ममभीमसे मधुमेश ह्ये

ममे मधुमेक ममेमधु

हृगीय कलवेमने ॥
मन्त्रलिने

मधुमनु एनन कलभा

ममभा मन्त्रेकमा मन्त्रेभना दिवि

मममे मधुममे ठवे मम

ने कलेविनमे मधुयभा द

॥

हृदयभसेन एतदगिनी

भट्टे हृदिना ३ लभसपि ३

भट्टपुण्ड्रयिनी ॥ धसु

लठे निष्ठकृजो देना ३३

मेलते दिठेन भउलं उरु

मडा ३ भाप ३ धकृमि लघी ३

यं धुधुडभा लघी ठेन भ

मवपु ३ लि वि ३ ठवा मवा ३ दिमा ३

षएन भयमने उच पि

पिडकमी भगि

उहृयनी ॥ मधुय

कृम ॥ पादुभमपिक

हृदिना ३

भउ गहमे लंसिमे नम

ग. पादुव घुणिक से धुंग

ठिल्ल भपि भउति

भए पे धुम सुनी धुम

वम मरे दमु हिक ठ

धुमि हं मेरं कर वै प्रव

मि ह्येम भुठु ठे भुमि ह

13

धरि

पउद्विगगना ~ मउ

जीमधुभी नभवधं मउ

दमीभा नवभी मकभरु

गः मेगकम चलये

पनहयशिके ने मभनू

देमडवापि मेगशिय

नमेठन मुठैमुप्रधुकरि

ममेठन मुठैमुप्रधुकरि

लीभा ~ महडिकः

५ भगना ७ सूत्राणां
पादुमपामिमेह, रङ्ग

५ गीतिता मं प्रजना भमा कमेता
भूकय सुउरुउरु सु मेरं

३ वेममाउमडा रङ्ग दम डका रङ्ग
भवदं सुउरुनेपि नभू

एकनाम रङ्ग रङ्ग रङ्ग
मिडीडिभकटः भूवटः ~

५ भमा कुनुमा
ठनमयं निपयडिडव भ

पुमउ उभउः हमे प्रभू ५
म ठे

15

विगडिउष रणनध

भुमध भभुगिदुःम

भगुरु मुनूएक एमेडि

भूहः नन भूहडिभनपः

भभाकु मनभाविम निहैकगवाकिध

भभाके ननिपाहु अदि

कः पाहुविमडि मुयुभेभ

भमः ॥ १ ॥ भमः ॥ १ ॥ भमः ॥ १ ॥
 भकमुत्तुभं कीडः ॥

गएले ॥ लनिन भनक ॥ भिजा भदुमज ॥
 गयेः ॥ नभउउउउउ

भुठगनहुं जलमोज याइस
 भुधितनभा महनयइभ

यनूभा भनपागकवनेम भभाकभेमा कुरगिन
 भगेभापावभा गेरंवि र

गसुपिमे भनकं लना हे भनयक
 हविमिभनुयेव लिनी वनिना

नवेम उद
 विप्रलं नवभेनगदि

भुल्लयनगपेडिस्मनं

विश्वदत्त मिश्र

on (<https://satsar>)

मकमलउमकपुषि

कृष्णभक्तभक्तलुपैज वर

पौष के ५

वसुभक्तभाष्यटीप्पिउत्तुपि

भमकभम भुं

भगिन्या

संज्ञादिम

योगभिक्षुभयिलेधुमेरुधु

राम

五

4

लक्ष्मण उग्रचक्र पाशु

कद्रन विम

पुनः

प३

कमलिवल्लयैऽ याइयु

यह

लैका ३७.४

दिवस

इंग्रजगं विवाहं

एकमभविम

भवः

11

一

मधुविहङ्गमः ॥ विह

मेठवेदिहरे वरेकधुप

एहिम भगपादुपुल्ल

विप्रचः सुडिकरहय ॥

विहङ्गमः भागुमिडः

हृषीधुजटयी कः

मयः भूमपिके वम

११ भंभहभर नीदग्मेव
लंठव मरि ठे

डिहडडः पाहुतः प्रमिध
म जमे

इकयमत्रगपिमभनयः
पनाकेन मुह

कीउयउवभसुः ~

मभं दमेष्ट नूतम म
भमहुगसुडिइयसि

३५ ३ १५ म
०० अनेभवकश्ये नमसु
५ १ ४ १५ म
येकहीववि मुडिदिमद

५
गरिक मियकटिगिक

प्रियाकि उठरे न सु विपना मरुता

डिघे प्रवतुभिठभरः

सुठशदे सुमतमी उठमा ७१५१

सुठगणीडिगडभ भिक

०१५११०११

कडुगैभरः ॥

म वे ली नेमकुट्ट
भरपडु लीवरं नेमरे

सुठ वेळीगठि ॥ ७५
सुठिवीरु ॥ ७५५५

५ ७ ७५
धुमीधमी पाडुममीगडु

21

ॐ क भूतिधनवभीमव

विहृगभूमिमे वल्लेगकनी

विहृगभू विवलिउः ॥

पनाकनेका पिवेका भव

मषमदनवभुमिपिध

ॐ ॥ नमुन्मभेसुव

निलवैसुयव डिष्टः

पनवभूमिगमिनवम

वह्नः ठष्टुश्चिमेवउममु

ॐ
००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखं भवति ॥

गोविन्दं ध्यात्वा पादुके सुखं

सुखं भवति ॥

गोविन्दं ध्यात्वा पादुके सुखं

सुखं भवति ॥

23

कादिपादकेभृममि

हं वभवभुषा यडिमु

महकानं भुवलरुज

वमभभा न चदिहपू

वभपुष नववभुषण

भा नैमुतिभनयभी

श्रीं उदिगुभति

विष्णुनामिनि गङ्गा अदमेन

प्रेमभोज, नखद वगैरे निरुद्धमुभा।

उभयोः । त्वेवम् । जग्ने गच्छ ।

हील - निज - एलमोन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

वृ. ला. न. म. ज. म. स. क. न. म.

पद्मिनी पूषमङ्गभय सुता

होष्टि मंडन मंगाठिमा

25 यमत्रिनिगुरे धियमद्
 मय भक्तगणयम नवम्
 वसुण्णालगित्त
 गणारं भुता ॥

सुषभूमन भद्रुनि
 मंगतिष्टे वुत्तण भवि

इवभवः सिनी सुवन्त

०३ वडीम्व भुलंभवभुम्व

हृष्टं कर्मभूषणं यद्

यमेकनः भूतः

नेदिल्ली शिल्लि भूवलि भू

डिमिड वनली गनभु

हृष्टं भूनिधिः भूभूतं

हृष्टं भूतः

मेअ डिभू भूभूतं

27 ^{उभयपक्षेणा च} ^१ **उषः सप्तमः श्रुतिकः मेव**
^{रश्मिमाविष्टे} ^{भोगेनादित्येभ्यः}
भस्मनेभ्यः श्रुतिकः :

उभयः

अ	श्रु	क	म	र	प्र	स	उ	उ	ह्ये
---	------	---	---	---	-----	---	---	---	------

भस्मः

रि	रु	रु	रु	रु	वि	म
----	----	----	----	----	----	---

भस्मिक

वि	रु	रु	रु	मं	उ	रु	रु	रु
----	----	----	----	----	---	----	----	----

०५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पलनेगळा

मं ०८

मं

मजी ॥ ८॥

नीये मउरुम मभवहं

नडा गळा

रुक्मना विष

मं ०९

नगउहं भूमीनीमं ॥ ८॥

॥ ८॥

॥ ८॥

पलनेगळा

यकः भवः विषयः वसु

मं १०

मं ११

मं १२

नि ॥ मउरुं मउरुं नव

मं १३

हं वसुहं

मं

८	७	६	०९	०८	मं
---	---	---	----	----	----

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८॥

29

पेगमिमये री इवेरे जमि मिलयेकेना

पेगमिमये केना

प्रठं उरः हल्लुष्ट भ

मीहममुपदुधुगेदिष्ट

कउउधुष्ट भठं शुधु

उउगदि

मेउगभा म मूवम्व

वलोनगति पेगमिमये सु जमिमिमिये

लयेष्टव णमिनीममिठ

ममिमिमिये

हिमि ममिमिमिये मधुनजइ

०५

उउगदिमिये क निमि

उउगमकोमर

गद्यवि

30

गंमन	प्रवे हृस् मंस	सुप्रय
जिउ उठ के व		जमि प्रठं भरणी
वायह	प्रभिम ने भउ	नेउते

सुखदमधो गते ॥

CC-0. Satsar Foundation (<https://satsar.org/>)

31

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 लठे ॥ गणेशाय नमः ॥
 कदमिहै ठनिमा ॥
 मिहि सुखव मे उगण्ड
 लठे ठे भउ प्रचेर न कद
 मिहि ॥

	पुत्र	
उ. भु		मं म ड
	वृद्धि	

विं वेगिनी सुठमवर्मा

32

यं सुवर्णमुत्तमपिनी

मिलि पन कर्म भद्रापी

भगवन्

प्र	प	सु	न	ह	प	र	र
५	वि	ह	म	प	म	म	म
न	ह	प	सु	ह	म	प	न

विषयः

विषयः

उ विगिनी मरुमा

33

नमः कलहस्तभा ॥
^{जनगठि परगमिष्य अष्टपुरुषा}

देवसुवर्ग

मिन्नदंष्ट्रद्वय जीवन्ती
^{मिन्नदंष्ट्रद्वय जीवन्ती}

यष्टुभिर्द्वय यष्टुभिर्मि
^{यष्टुभिर्मि}

वमद्वय उदकलं विनिदि
^{वमद्वय उदकलं विनिदि}

मेज भद्रायैवमठग
^{मेज भद्रायैवमठग}

व कलमद्वयविष्टुडि द
^{व कलमद्वयविष्टुडि द}

हृ. मिलेति भडः पूष्टिः ध
^{हृ. मिलेति भडः पूष्टिः ध}

०१ सुष्टुद्वयैवमठग ॥
^{सुष्टुद्वयैवमठग}

सुक्तकंल

ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ

सुक्तकंल

गमुक्तकंल

ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ

गमुक्तकंल

35

अथ भद्रस्तुतम् प्रचक्रमे

विमिषे गतेना गति भद्रम् विमिषे

ॐ नमो भद्रस्तुतम् प्रचक्रमे

नकेल सुभाक्रमे गतेल विमिषे

ॐ सुभाक्रमे सुभु म

सुभाक्रमे ममि ममिमेये नंदा

ॐ सुभाक्रमे सुभु म

ममि ममिमेये विमिषे ममि ममिमेये

ॐ सुभाक्रमे सुभु म

ॐ सुभाक्रमे सुभु म

ॐ सुभाक्रमे सुभु म

ॐ सुभाक्रमे सुभु म

यममा भद्र गति कृत ममिषे

Digitized by Sarayu Foundation Trust, Delhi and eGangotri

37

	५०	
५०	मंमिं	५०
५०	मिउं	५०
	५०	

मधुगममरुभा

५०	५०	५०	५०	५०
५०	५०	५०	५०	५०

एकमदुगममरुभा

इउवडा नवठि ५०

५० ॥ एकमममदुग ५०

५०

विषय ३। मय म। प। ३०

न। ५। म। प। ७। त्रैल १।

मे ५। प। म। मे ५।

लम्पुगये विष्णु। क्रिय। मिष्णुगये।
लम्पुगये क्रिय। मिष्णुगये।

मभपुगये नक्षी। मिष्णुगये।
मभपुगये नक्षी। मिष्णुगये।

मभपुगये नक्षी। मिष्णुगये।
मभपुगये नक्षी। मिष्णुगये।

मभपुगये नक्षी। मिष्णुगये।
मभपुगये नक्षी। मिष्णुगये।

३१. मृच्छकटिकम् पञ्चमः सूत्रम् ॥
 नमः ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
 ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
 ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
 ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
 ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
 ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
 ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
 ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

निमि

धनं अभिमतं ममदुलं

वृत्तिगणक

भनकोम गते

विपयभा ॥ भद्रवर्ण

इभवगष्ट भद्रवर्णसुख

नडाजिड एमी

येः प्रउद्रुमठवैरु

उद्रुमभमनसुख ॥

एकमुद्रमुद्रवैरु

गः कश्चियभुव नवनरेन

नकाशमन्त्रालय नकोलन
रूम ३

गङ्गा नदी

भा ॥ सुषमवृत्ति ॥

राष्ट्रिय कमिटी सुभाषचन्द्र बोस द्वारा स्थापित

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

लज्जामम पवकं दीपुमानु

कामं श्रीमद्विष्णु

नमिक एलाउए मुन

रगलिक प्रकृतभूषण

ਸੁ ਪਰਾਤੰਗੀ ਸੁ ਰਿੰਤਕਮ

म. १७७. ११३. ११३. ११३.

वधं सुउवभुं प्रवीलुनि

लीवगुभंम

यहयमकवनि

लीवं भंमभेनु क्षिगंभिधु

पडिविमे

पुनमुभिसू छविमा

पषिक धुमाभमुधुमि

धुमा

पुनठिगुले

पठं प्र उतिगिपरलधु

माला पुवगेकन यहये नळवनिग मडिठुय

कः वमेधुय यनमधुः

नगममनमाविम छविमेन पुनठिवका

धुवेमैरुदिल्लि सुठः

43

गिरिकुलः उभेभु प्रल

प्रगदायेक

धूल्लेभ

विहृजेय

यभवेत्तिः विहृतिमे

मोना

कविना

वाहयेनकवतिना

मोमोना

गवनिष्टं भूयसैलुजीव

मिहृदयेव

भूयसैलुजीव

मिहृदः ~ भूमिउभु

यममा नो वदमभेडभापमुमु

ययभुसु विवउभेवि

यलमनाभुमेडा कल्लु जमभा इति लुठेनडा

यभुउभेभुउभुउभेउभु

यनहृमिहृदोना

हृ.

99

यजमिहृदं यनिहृमेडा ~

कट्टाङ्ग भिक्षु मण्डिमा वेळुमण मिवा
कट्टाङ्ग भिक्षु मण्डिमा वेळुमण मिवा
पञ्चदी वाये गण्डमण्णो वणममु
गणवलिउ भूवेमे गण
मिवा छेदी सुठ्ठा एव्वे
युतः मवः सुतुमुठ्ठुः
उत्तुमु कल्लदे गूदे सुल
सुयदेम केण रणि
वभउवं येषिउमा विड
युग युग
लभभगउं सुलिउम
कणः सुमि वाइयउमा मभय
भुवेसुयसुठ्ठवेद्य लभ भावेम

मङ्गला कङ्कितमण्डपमङ्गला

५५

मयैर्नमः मणिमण्डप

ज्य ॥ विव मङ्गला

उद्धवा कङ्कितमण्डप मङ्गला

व. कङ्कितमण्डप मङ्गला

मेण नडा मङ्गला नडा मङ्गला

कङ्कितमण्डप मङ्गला

जयीतः लिखी विष्णुः भक्त

उद्धवा विष्णु

मः ॥ मुहुविनकुम

मङ्गला मङ्गला

७७ मङ्गला मङ्गला

कङ्कितमण्डप

47

ठिय यह इच्छा
गुरुं रुमं यारु पुरः

काङ्क्षिकं भवपुत्रं भवक
भयेष्ट ॥ मय भवक

भेदे लोचनं सुकेतुका ५९ ग
भरुतः ॥ सुके भविष्य

डिषा जने गति डिषा
दि डिषे गुरुः ॥ डिषि

नमस्ते वा भेनगो १ ५ ७
कवगयुतिगमिगणपित

हृ. पु. भवपुत्र हविषतिभ
१२ ७ १२ १३ १४ १५

वमति सुः पा भवपुत्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

49

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

मलं प्रभनं मु उ क मलं प्रभनं मु उ क

दरभा मय मय नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

पविशनि हो फि इ मलं प्रभनं मु उ क

मलं प्रभनं मु उ क मलं प्रभनं मु उ क

मलं प्रभनं मु उ क मलं प्रभनं मु उ क

मलं प्रभनं मु उ क मलं प्रभनं मु उ क

मलं प्रभनं मु उ क मलं प्रभनं मु उ क

मलं प्रभनं मु उ क मलं प्रभनं मु उ क

महं पूमाइ म... विपन

महं पूमाइ म... 50

पुः पद उर मफीमा

गकमवममकु

गकमानां वरु ऊप

मोपग... ममेन

केमरुपु... पुउ

मोपम... ममेन

उमम... पुपु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कगडि कोट्टु प्यु ~~म~~

52

ममडुति सिडिपे युड

कगडि के, दु प्यु, मम

मडुति सिडिपे, युड, ~~म~~ ~~म~~ ~~म~~

के, यं, म, उड, उड, ए, उड

नकडु, पं, नया, के, न, य

के, म, मी, म, म, म, डि, मु, क, ल

पके, उड, म, पु, म, म, उ, म, ड, रे

प, म, म, म, म, म, न, क, ड, र, म

प, म, म, म, म, म, न, क, ड, र, म

53 नपकेरुयेषु गुप्ता
नम्रीपीनमवास म
साकेनरुयेषु गुप्ता
मकाषु गुप्ता
मरुप 311 मरुन
ष मरुन ग्राह मिर
पिरक मने निहमा
मलापा मरुना
ग्राह रुवक मने
मवद

नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥
 नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥
 नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥
 नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥
 नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥
 नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥
 नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥
 नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥
 नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥
 नमो भूषणाय नमः ॥ ५५ ॥

CC-0. Satisar Foundation (<https://satisar.org/>)

Digitized by Sarayu Foundation Trust, Delhi and eGangotri